

राजु

बनाम श्री

लाडवाडी


दोख हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्त की तामिल
में जारी हुए

7/11/25

~~पत्रावली पेश हुई। वकील~~
~~वादी उपा। पत्रावली~~
~~नामीलन कि 16/11/25 को~~
~~पेश हो।~~


सुब्रह्मण्य अधिकारी
मीरगाह, जिन्ना-मीलवाड़ा

16/11/25

पत्रावली पेश हुयी समयपत्र
तीनतीन आधकार प्रत्येक काय में व्यस्त
प्रवक्तव्य * है परन्तु भी आविक्त आदेश में
दिनांक 24/12/25 को पेश हो

आदेश 

20/11/25

पत्रावली पेश हुई। वकील वादी/प्रार्थी
अनुपस्थित। वादी/प्रार्थी भी अनुपस्थित।
प्रकार में वकील वादी/प्रार्थी को लिखित
रूप में एक एक कर तीन बार कावाजे
लगवाई गई, लेकिन उनकी ओर से
कोई भी उपस्थित नहीं हुआ। वकील
वादी/प्रार्थी पूर्व में भी अनुपस्थित रहे।
वकील वादी व वादी के अनुपस्थित रहने
से प्रकार को अदम हाजरी व अदम
पैरवी में वारिस किया जाऊ अर्थात् प्रतीत
होता है ऐसी स्थिति में प्रकार को अदम
हाजरी व अदम पैरवी में वारिस किया
जावे के आदेश पारित किया जाते हैं।

अतः पत्रावली फौजदारी शुरू होकर
दो नम्बर ले लगे कि जाकर दारिद्र्य के
दफ्तर है।

कील

10/11/25

24

2/24

वादी
मील

7/11/25